SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, I would like to ask the hon. Foreign Minister that this whole issue of water qua China has three elements—strategic security, ecological issues and water management. What I have heard from the hon. Minister's reply is that only some monitoring stations are sought to be there and some mechanisms are sought to be developed. With a very wide experience, the hon. Foreign Minister would certainly be knowing that China's one attribute is well-known, namely, whatever they do, they do with great aggression, whether economic pursuit or water management or whatsoever. In that light, the time has come for synergy in our Government itself with security, with water management and ecological issue. Has the Government of India done some homework in that regard with a proper institutional mechanism to respond to these urgencies?

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, it is not a question of merely setting-up some institutions. The objective of setting-up the institutions to collect data, the scientific analysis of the data, its assimilations will help us to work out a comprehensive policy. There is no doubt in the fact that China has made adequate progress in this respect by their own sustained efforts; and we shall have to do that.

महानगरों में सीवर और जल निकासी की समस्याएं

*122. **श्री शाहिद सिद्दिकी:** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के कई महानगरों में बरसात के मौसम में सीवर और जल निकासी की समस्याएं पैदा हो जाती हैं और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान सीवरों की सफाई के लिए कितनी राशि आवंटित की गई और इसमें से महानगरों के लिए कितनी राशि आवंटित की गई; और

(ग) देश में ऐसे कितने महानगर हैं जहां इस तरह की समस्या है और इससे अब तक कितना नुकसान हुआ है?

शहरी विकास मंत्री (श्री एस॰ जयपाल रेड्डी): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) यह सही है कि बरसात के मौसम में महानगरों में सीवरेज और जल निकासी की समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। महानगरों में सीवेज और जल निकासी की समस्याएं उत्पन्न होने के कुछ कारण इस प्रकार हैं:—

(i) अभूतपूर्व, अनियमित, लगातार और असामान्य तीव्रता वाली बारिश और बहुत मात्रा में पानी इकट्ठा होना;

(ii) बरसाती पानी के अभूतपूर्व बहाव के लिए अपर्याप्त जल निकासी प्रणाली;

(iii) नालों, सीवर और मेनहोल में बिना सोचे-विचारे कचरा फेंकना;

(iv) मानसून से पहले और मानसून के बाद बरसाती पानी के नालों से सिल्ट न निकालना तथा सफाई न करना, आवधिक रख-रखाव का अनुपालन न करना;

(v) सीवर लाइनों के साथ-साथ नालों के किनारों पर अतिक्रमण;

(vi) जलाशयों का अतिक्रमण/उन्हें रिहायशी क्षेत्रों में बदलना;

(vii) भवनों और खुले स्थानों के आसपास पक्का फर्श जिसके परिणामस्वरूप अपारगम्यता बढ़ी है और पानी अधिक जमा होता है।

(ख) महानगरों में अवस्थापना विकास हेतु राज्य सरकारों की सहायता के लिए 1993-94 के दौरान महानगरों में अवस्थापना विकास के लिए केन्द्र प्रवर्तित योजना शुरू की गई जिसमें सीवरेज, जल निकासी और कचरा निपटान आदि सहित अवस्थापना के विकास हेतु धनराशि उपलब्ध कराई जाती रही है। परिचालन एवं रख-रखाव, जिसमें नालों व सीवर की सफाई शामिल है, के लिए कोई धनराशि मुहैया नहीं कराई जाती है।

(ग) उपर्युक्त भाग (क) के उत्तर में बताए गए कारणों की वजह से अधिकतर महानगरों में बरसात के मौसम में सीवरेज और जल निकासी से संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। यह सही है कि सीवरेज और जल निकासी समस्याएं सामान्य नगर जीवन को प्रभावित करती है जिसका प्रतिकूल आर्थिक प्रभाव पड़ता है। तथापि इस वजह से होने वाली हानि से संबंधित सूचना भारत सरकार के स्तर पर नहीं रखी जाती है।

Sewage and water drainage problems in metro cities

†*122. SHRI SHAHID SIDDIQUI: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that sewage and water drainage problems erupt in rainy season in several metropolitan cities in the country and if so, the reasons therefor;

(b) the amount allocated for clearing of sewers during the last five years and the amount allocated for metropolitan cities out of the same; and

(c) the number of such metropolitan cities in the country which face such kind of problems and losses suffered due to the same, so far?

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI S. JAIPAL REDDY): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) It is a fact that during the rainy season, sewerage and drainage problems erupt in metropolitan cities. Some of the reasons for eruption of sewage and water drainage problems in metropolitan cities are as under:—

(i) Unprecedented, erratic, continuous and abnormal intensity of rainfall and runoff;
(ii) Inadequate drainage system to hold the unprecedented flow of rainwater;
(iii) Indiscriminate disposal of solid waste in the drains, sewers and manholes;
(iv) Absence/lack of desilting and cleaning of storm water drains, non-compliance of periodical maintenance, during both pre-monsoon and post- monsoon period;
(v) Encroachment over sewer lines as well as banks of drains;
(vi) Encroachment/conversion of water bodies into residential areas;
(vii) Paving around building and open spaces resulting in high imperviousness and increase of runoff.

(b) In order to assist State Governments to undertake development of infrastructure in Mega Cities, a Centrally Sponsored Scheme for Infrastructure Development in Mega Cities was initiated during 1993-94 in which funds have been provided for different gamut of activities in

†Original notice of the question was received in Hindi.

development of infrastructure including sewerage, drainage and solid waste management etc. No funds are provided for operation and maintenance (O&M) cost including cleaning of drains and sewers.

(c) Due to reasons stated in reply to part (a) above, most of the metropolitan cities are facing problems pertaining to sewerage and drainage during rainy season. It is a fact that sewerage and drainage problems affect normal city life which has adverse economic implication. However, information about losses suffered on this account are not documented at Government of India level.

श्री शाहिद सिद्दिकी: सर, माननीय मंत्री जी ने मेरे सवाल का पूरा जवाब नहीं दिया। मैंने यह पूछा था कि पिछले पांच साल में मैट्रोपॉलिटिन सिटीज़ में कितना पैसा सीवर्स की सफाई के लिए ऐलोकेट किया गया और इसमें से कितना पैसा खर्च हुआ, लेकिन मुझे इसमें इसका जवाब नहीं मिला है। मुझे केवल यह बताया गया है कि सीवर ब्लॉक क्यों होते हैं और उनमें प्रॉब्लम क्यों होती है। लेकिन उस प्रॉब्लम को सोल्व करने के लिए सरकार ने क्या एक्शन लिया है, कितना पैसा दिया है, उसके बारे में मुझे जानकारी नहीं मिली है। इसके बारे में मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा।

†**شری شاہد صدیقی** : سر، ماننے منتری جی نے میرے سوال کا پورا جواب نہیں دیا۔ میں نے یہ پوچھا تھا کہ پچھلے سال میں میٹروپولیٹن سٹیز میں کتنا پیسہ سیورز کی صفائی کے لئے ایلوکیٹ کیا گیا اور اس میں کتنا پیسہ خرچ ہوا، لیکن مجھے اس میں اس کا جواب نہیں ملا ہے۔ مجھے صرف یہ بتایا گیا ہے کہ سیور بلاک کیوں ہوتے ہیں اور ان میں پرابلم کیوں ہوتی ہے۔ لیکن اس پرابلم کو سولو کرنے کے لئے سرکار نے کیا ایکشن لیا تھا، کتنا پیسہ دیا ہے، اس کے بارے میں مجھے جانکاری نہیں ملی ہے۔ اس کے بارے میں میں منتری جی سے جاننا چاہوں گا۔†

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, the hon. Member should know that urban development is a State subject. Until the Jawaharlal Nehru National Urban Renewal Mission was launched on 3rd December, 2005, we had only one scheme in regard to big cities, that is, Mega City Infrastructure Development Scheme, which related to only five major cities. When he talks of metropolitan cities, he probably talks of all such cities that are having population of more than one million. All those cities now have been covered under the Jawaharlal Nehru National Urban Renewal Mission.

---

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

श्री शाहिद सिद्दिकी: मेगा सिटीज़ का आप बता दीजिए कि कुछ आपने एलोकेट किया है और क्या एक्शन हुआ है? मेगा सिटीज़ का बतला दीजिए।

†[**شری شاہد صدیقی :** میگا سٹیز کا آپ بتا دیجئے کہ کچھ آپ نے ایلوکیٹ کیا ہے اور کیا ایکشن ہوا ہے؟ میگا سٹیز کا بتلا دیجئے۔]

श्री एस॰ जयपाल रेड्डी: यह बतला देता हूं।

श्री शाहिद सिद्दिकी: कुछ तो बताइए।

†[**شری شاہد صدیقی :** کچھ تو بتائیے۔]

SHRI S. JAIPAL REDDY: I did not want to say anything about the question; you need to put the question more comprehensively. I am referring to expenditure incurred in respect of ongoing sewerage and drainage projects under Mega City Schemes. So far, the project sanctioned only for drainage and sewerage are worth Rs. 269.69 crore. Of this, Rs. 100 crore have been spent. I can also tell the hon. Member about other projects under the Mega City Scheme, though he has not asked that question. We have so far sanctioned 676 projects, and our share to be released in this context was Rs. 1916.35 crore. Out of that, we have already released Rs. 1550 crore. This is apart from what we are spending under the Jawaharlal Nehru National Urban Renewal Mission in the last one year.

श्री शाहिद सिद्दिकी: सम्लीमेंट्री सर, पीने के पानी का सवाल भी इससे जुड़ा हुआ है। हम पूरे देश में पीने का पानी देने की बात करते हैं, लेकिन जो मेगा जिसको मेट्रोपॉलिटन सिटीज़ मंत्री जी ने कहा है दिल्ली है, मुम्बई है, कलकत्ता है वहां पर भी हम पीने का साफ पानी आधी से ज्यादा आबादी को नहीं दे पाते हैं और जो बाकी आबादी को भी मिलता है उसको हेमा जी के सौजन्य से वह लगाना पड़ता है, उसके बगैर पानी नहीं पी सकते हैं, हर आदमी को विश्वास है कि साफ पानी घरों में नहीं आ रहा है। इसलिए कोई अपने घर में वह पानी पीने को तैयार नहीं है, अपने घर के नलके का। यह जो स्थिति है इसमें मैं खास तौर से मुम्बई के बारे में कहना चाहूंगा कि मुम्बई की रिपोर्ट है कि सीवेज का पानी नलों में आ रहा है, उसमें मिक्सिंग हो रही है, आधे से ज्यादा मुम्बई शहर इससे बेहद प्रभावित है। तो इसको ठीक करने के लिए आपने कोई फोकस्ड प्रोग्राम बनाया है और आप क्या एक्शन ले रहे हैं?

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

†[**شری شاہد صدیقی :** سپلیمنٹری سر، پینے کے پانی کا سوال بھی اس سے جڑا ہوا ہے۔ ہم پورے دیش میں پینے کا پانی دینے کی بات کرتے ہیں، لیکن جو میگا جس کو میٹروپولیٹن سٹیز منتری جی نے کہا ہے کہ دہلی ہے، ممبئی ہے، کلکتہ ہے وہاں پر بھی ہم پینے کا صاف پانی آدھے سے زیادہ آبادی کو نہیں دے پاتے ہیں اور جو باقی آبادی کو بھی ملتا ہے اس کو ہیما جی کے سوجھنے سے وہ لگانا پڑتا ہے، اس کے بغیر پانی نہیں پی سکتے ہیں، ہر آدمی کو وشواس ہے کہ صاف پانی گھروں میں نہیں آ رہا ہے۔ اس لئے کوئی اپنے گھر میں وہ پانی پینے کو تیار نہیں ہے، اپنے گھر کے نلکے کا۔ یہ جو حالت ہے اسمیں میں خاص طور سے ممبئی کے بارے میں کہنا چاہوں گا کہ ممبئی کی رپورٹ ہیں کہ سیویج کا پانی نلوں میں آ رہا ہے، اس میں مکسنگ ہو رہی ہے، آدھے سے زیادہ ممبئی شہر اس سے بےحد پربھاوت ہے۔ تو اس کو ٹھیک کرنے کے لیے آپ نے کوئی فوکسڈ پروگرام بنایا ہے اور آپ کیا ایکشن لے رہے ہیں؟]

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, the hon. Member and the House, I am sure, will be more than happy to note that we are giving great importance to water supply, drainage, and sewerage. (*Interruptions*) Why don't you wait for the answer, dear friend? Under the Jawaharlal Nehru National Urban Renewal Mission, of the projects so far sanctioned, we allotted 17.5 per cent for drainage; 28.8 per cent for sewerage; and 38 per cent for water supply.

In addition to this, over and above this, I must inform the hon. Member that the Government of India, because of the personal initiative of the Prime Minister, has been able to favourably consider sanction of project for Mumbai for water supply itself at a cost of Rs. 1445 crore. This has been done recently. It is in final stages of approval. I am sure, in due course, the hon. Member will see the fruits thereof.

श्रीमती सुषमा स्वराज: धन्यवाद सभापति जी। सभापति जी, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि वर्षा ऋतु के दिनों में पानी की निकासी की समस्या को लेकर जो सात कारण आपने अपने लिखित उत्तर में बताए हैं, उसमें पहले कारण को छोड़कर जिसके लिए हम प्रकृति को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं, बाकी के छह कारण मानव निर्मित हैं और इन छह कारणों को मानवीय प्रयासों से दूर किया जा सकता है। लेकिन आपने उसी उत्तर में बताया है कि उन प्रयासों के लिए आपने 1993-94 में केन्द्रीय योजना बनाई थी, जिसके तहत आप महानगरों को

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए पैसा देते हैं। मैं आपसे जानना चाहती हूं कि 1993-94 में समस्या का रूप इतना भयावह नहीं था जितना कि पिछले 2 वर्षों में सामने आया है। वर्ष 1993-94 में कोई यह कल्पना नहीं कर सकता था कि 8 दिनों के लिए मुम्बई पानी में डूब जाएगी और सारा जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाएगा और 1993-94 में कोई यह कल्पना नहीं कर सकता था कि बाड़मेर में बाढ़ आ जाएगी, मरूस्थल में उदयपुर में कारें डूब जाएंगी। ...(व्यवधान)... इसलिए मैं केवल आपसे यह जानना चाह रही हूं कि ...(व्यवधान)... इसलिए मैं आपसे यह जानना चाह रही हूं कि पिछले 2 वर्षों में समस्या का विकराल रूप सामने आया है, उसको सामने रखते हुए यह जो अरबन रिन्युअल मिशन की बात कर रहे हैं, क्या आपने इस योजना को संशोधित किया है और अगर संशोधित किया है, तो कौन सी नई योजना आपने इसमें डाली है?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Honourable Member is right in referring to some of the unprecedented damage that has been caused in more than one major area, more than one major city, of the country. I would like to assure the hon. Member that all these concerns were taken on board when the National Urban Renewal Mission was formulated. That is the reason why we are able to sanction huge projects, for the first time in the history of independent India, for urban areas; and we are taking care of all major cities and all metropolitan cities in the country.

श्रीमती सुषमा स्वराज: क्या इस स्कीम को अमेंड करके कोई नई स्कीम अरबन रिन्युअल मिशन में डाली है? नहीं!

SHRI S. JAIPAL REDDY: नहीं। The concern which you have expressed, Madam, has been taken into account while formulating the project. It has been attended to absolutely.

श्री दत्ता मेघे: सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि मुम्बई में जो महाराष्ट्र गवर्नमैंट ने प्रपोजल भेजा है, उसमें से कितने पैसे दे दिए हैं? उसके लिए कितनी धनराशि सैंक्शन हुई है, उसको आप छोड़ दीजिए। क्योंकि वहां दो साल से, इस साल भी पानी की वजह से, गटर की वजह से बहुत तकलीफ हुई है। आपकी योजना के मुताबिक प्राइम मिनिस्टर ने जो धनराशि दी है, उसमें से एक्चुअली कितनी मिली है और वहां कितना खर्चा हुआ है, क्योंकि एक साल के बाद फिर यह समस्या वहां पर आने वाली है?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, apart from release of funds under the Jawahar Lal Nehru National Urban Renewal Mission, as I said, we are in the process of sanctioning a project for water supply at a cost of Rs. 1445 crore especially for Mumbai and our Central funds will never be delayed in their release.

श्री दत्ता मेघे: सर, महाराष्ट्र-सरकार को कितना पैसा मिला, मैं इतनी बात पूछ रहा हूं, क्योंकि वहां पर काम शुरू नहीं हुआ है। आपने कितना पैसा एक्चुअली में इस स्कीम के अंदर महाराष्ट्र सरकार को भेजा है, यह मैं जानना चाहता हूं।

SHRI S. JAIPAL REDDY: The point is, we send one-fourth of our share as first instalment. The scheme was sanctioned only recently. Therefore, you will have to wait for a little more time to see that the scheme is implemented.

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि आपने अभी बताया कि अरबन रिन्युअल मिशन के अंतर्गत आपने विभिन्न कामों के लिए, सीवेज के लिए और अन्य कामों के लिए किसी को 17 प्रतिशत, किसी को 38 प्रतिशत पैसे देने का एक पैरा-मीटर बनाया है और उस हिसाब से आबंटन कर रहे हैं। मैं यह जानना चाह रहा हूं कि क्या इन योजनाओं को, जिनको आपने सैंक्शन दी है, इन योजनाओं को पूरा करने के लिए आपने कोई समय-सीमा निर्धारित की है? यदि वह समय-सीमा निर्धारित की है, तो क्या प्रत्येक योजना की monitoring की कोई व्यवस्था हो रही है कि वह अपनी निर्धारित समय-सीमा के अंदर पूरी की जा सके? और क्या अभी तक आपकी जो भी योजनाएं सैंक्शन्स हुई हैं और जो चल रही हैं, जिन पर निर्माण चल रहा है, वह क्या अपनी निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप ठीक चल रहा है अथवा नहीं?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, the concern expressed by the hon. Member is well taken. We are aware of the various problems that arise in the course of implementation. Therefore, after releasing the first instalment, we are not releasing the second instalment unless we satisfy ourselves that that money has been spent. The State Governments and Urban Local Bodies make their respective contributions. We are keeping a keen eye on the process of implementation also.

MR. CHAIRMAN: Question No. 123 ...*(Interruptions)*...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: सभापति महोदय ...(व्यवधान)... सभापति महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं। मैंने प्रश्न बिल्कुल स्पष्ट पूछा था कि क्या ...(व्यवधान)... मेरे प्रश्न का जवाब नहीं आया है। ...(व्यवधान)... माननीय सभापति महोदय ...(व्यवधान)...

SHRI DINESH TRIVEDI: Sir, during Question Hour, it should be all over, not only the leaders ...*(Interruptions)*... I have objection to that ...*(Interruptions)*... Not only the leaders, let everybody ask a question ...*(Interruptions)*...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: सभापति महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहूंगा। महोदय, मैंने स्पष्ट पूछा था जो कि योजनाएं आपने सैंक्शन की हैं ...(व्यवधान)...

SHRI DINESH TRIVEDI: Sir, only the leaders get the chance. Then why do we sit here for Question Hour? ....*(Interruptions)*... We should not sit here for Question Hour at all ....*(Interruptions)*... We never get the chance ....*(Interruptions)*...

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: क्या उनकी कोई समय-सीमा, निर्माण की कोई समय-सीमा निर्धारित की है, उसका कोई जवाब नहीं आया है। क्या monitoring हो रही है, उसका कोई जवाब नहीं आया है।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, whenever a project is sactioned, there is a definite time-frame ....*(Interruptions)*... That definite time-frame will be monitored ....*(Interruptions)*...

SHRI DINESH TRIVEDI: Sir, this is not proper. We must get a chance. The Question Hour should be all over ....*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: The Question Hour is all over ....*(Interruptions)*...

SHRI DINESH TRIVEDI: Only leaders get a chance for everything. Why not us? Then why are we sitting here? Let us not sit here ....*(Interruptions)*... There is no point sitting here ....*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please take your seat ...*(Interruptions)*...

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, I want to assure the hon. Member, Shri Chaturvediji that there is a time-frame for every project ....*(Interruptions)*... We are monitoring the implementation of every project. We do so while releasing our second instalment. These are early days for us to give you a performance profile.

SHRI DINESH TRIVEDI: Sir, I walk out in protect.

[At this stage, the hon. Member, left the Chamber]

MR. CHAIRMAN: Now, Question No. 123. Shri T.T.V. Dhinakaran.